218 18 IV

## आयोजनागत संख्याः <sup>६१</sup>\ /XI/2011 56(29)2010

प्रेषक,

डॉ0 राकेश कुमार, सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में.

आयुक्त, ग्राम्य विकास, उत्तराखण्ड, पौड़ी।

ग्राम्य विकास अनुभाग देहरादून दिनांक भी मार्च,2011 विषय:— केन्द्र सहायतित जिला ग्राम्य विकास अभिकरण योजना हेतु वित्तीय वर्ष 2010–11 में अवमुक्त केन्द्रॉश के सापेक्ष राज्यॉश की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 4021/5-लेखा-73/डी. आर.डी.ए.प्र0म0 / बजट / 2010—11दिनॉक 21.3.2011 एवं पत्र संख्याः 3877 / 5—लेखा—73 / डी.आर.डी.ए. प्रशा० मद० / 2010—11 दिनॉक 14.3.2011 के कम में शासनादेश संख्याः 805/XI/2010 56(29)2010T.C.I दिनॉक 31.5.2010, शासनादेश संख्याः 739/XI/2010 56(29)2010 दिनॉक 2.6.2010, शासनादेश संख्याः 1031/XI/2010 56(29)2010 दिनॉक 17.8.2010, शासनादेश संख्याः 207/XI/2010 56(29)2010 दिनॉक 03फरवरी,2011 तथा शासनादेश संख्याः 374/XI/2010 56(29)2010 दिनॉक 15 मार्च,2011 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि ग्राम्य विकास विभाग के अधीन केन्द्र सहायतित जिला ग्राम्य विकास अभिकरण की प्रशासनिक मद हेतु वित्तीय वर्ष 2010-11 में अवमुक्त केन्द्रॉश के सापेक्ष राज्यॉश के रूप में रू0 1514 हजार की धनराशि बी०एम०-15 प्रपत्र के स्तम्भ-1 में उल्लिखित लेखाशीर्षक की मानक मद में आपके निर्वतन पर रखी गयी धनराशि के सापेक्ष स्तम्भ-4 की अवशेष सरप्लस धनराशि को स्तम्भ-5 में उल्लिखित लेखाशीर्षक की मानक मद में रू० 1514 हजार (रूपये पन्द्रह लाख चौदह हजार मात्र) की पुनर्विनियोग के माध्यम से स्वीकृति प्रदान कर आपके निर्वतन पर रखे जाने एवं नियमानुसार व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्ती एवं प्राविधानों कें अधीन प्रदान करते हैं:-

 निर्वतन पर रखी जा रही धनराशि का आवंटन (जनपदवार फॉट) आयुक्त, ग्राम्य विकास, पौड़ी द्वारा अविलम्ब कर धनराशि संबंधित आहरण—वितरण अधिकारियों के निर्वतन पर नियमानुसार व्यय हेतु रखा जाना सुनिश्चित करेंगे। 2. संबंधित आहरण—वितरण अधिकारियों का दायित्व होगा कि प्रश्नगत योजना के लिए जनपद से संबंधित केन्द्रॉश की स्वीकृति आदेश के उपरान्त धनराशि की पुष्टि होने पर ही राज्यॉश की धनराशि नियमानुसार व्यय की जाय।

Comment of the state of the sta

- 3. राज्यॉश की धनराशि का आवंटन नियमानुसार निर्धारित अनुपातिक आधार पर एवं संबंधित योजना हेतु नियोजन विभाग द्वारा आवंटित परिव्यय की सीमा के अन्तर्गत योजना के मार्गदर्शी सिद्धान्तों एवं मानकों के अनुसार नियमानुकूल किया जाय।
- 4. प्रश्नगत धनराशि उन्हीं कार्यो / प्रयोजनों पर ही व्यय की जाय जिनके लिए स्वीकृत की जा रही है, किसी भी स्थिति में इस धनराशि का व्यवर्तन नहीं किया जायेगा।
- 5. उक्त योजनाओं की धनराशि को व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैन्युअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य समक्ष प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- 6. उक्त धनराशि को आवंटित एवं व्यय करते समय योजना के संबंध में भारत सरकार/राज्य सरकार द्वारा समय—समय पर जारी दिशा—निर्देशों /मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए धनराशि को व्यय करने से पूर्व बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के सुसंगत नियमों/आदेशों तथा योजना के सम्बन्ध में भारत सरकार/राज्य सरकार द्वारा जारी/जारी होने वाले दिशा— निर्देशों तथा मितव्ययता सम्बन्धी आदेशों का परिपालन सुनिश्चित किया जाय।
- 7. स्वीकृतियों का रिजस्टर रखा जाय और प्रत्येक माह में स्वीकृति / व्यय संबंधी सूचना अद्यतन करते हुए स्वीकृतियों की प्रति सहित निर्धारित प्रपत्र बी०एम0—13 पर प्रत्येक माह की 05 तारीख तक शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
- 8. निर्वतन पर रखी जा रही धनराशि का व्यय/उपभोग दिनॉक 31.03.2011 तक करते हुए अवशेष अप्रयुक्त धनराशि को समयान्तर्गत समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
- 9. योजना के संबंध में भारत सरकार / राज्य सरकार द्वारा जारी / जारी होने वाले दिशा निर्देशों तथा मितव्ययता संबंधी आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- 10. उपरोक्त प्रस्तर—01 से 09 तक के दिशा निर्देशों में विचलन होने की स्थिति में इसकी सूचना तत्काल वित्त विभाग को उपलब्ध करा दी जाय।

होत

शा

न

गर

नि

हे र

तम

हुल 1न

विम

2— इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010—11 के आय—व्ययक अनुदान संख्या—19 के अधीन लेखा शीर्षक 2501—ग्राम विकास के लिए विशेष कार्यक्रम 01—समेकित ग्राम विकास कार्यक्रम —800—अन्य व्यय—01—केन्द्रीय आयोजनागत /केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें— आयोजनागत— 0104—जिला ग्राम्य विकास अभिकरण (75%के०स०) 43 —वेतन भत्ते आदि के लिए सहायक अनुदान की मद की धनराशि संलग्न बी०एम0—15 के कालम—1 की मानक मद की बचत रू० 1514 हजार के पुनर्विनियोग के माध्यम से वहन किया जायेगा।

3— यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्याः 488(P)/XXVII-4/2011 दिनॉक 29मार्च,2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जारहे हैं।

संलग्नक यथोपरि।

A MANUAL TO A

No.

(डॉo राकेश कुमार) सचिव शास वनरा

प्रायो

ानर्वि

के ब

स्तम

कुल

र्रो

संख्याः (XI/2011 56(29)2010 तद्दिनॉक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1— महालेखाकार, (लेखा परीक्षा) कार्यालय महालेखाकार, वैभव पैलेस, सी-1, / 105, इन्दिरा नगर, देहरादून।
- महालेखाकार, (ए एण्ड ई), ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर, रोड़,
   माजरा, देहरादून।
- 3- आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी / कुमाऊँ मण्डल, नैनीताल।
- 4- जिलाधिकारी, बागेश्वर / पौड़ी।
- 5— मुख्य विकास अधिकारी, बागेश्वर / पौड़ी।
- 6— निदेशक, कोषागार एवं वित्त लेखा, उत्तराखण्ड।
- 7- वरिष्ठ कोषाधिकारी / कोषाधिकारी, बागेश्वर / पौड़ी।
- 8- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री, मा० मुख्यमंत्री जी के अवलोकनार्थ।
- 9- निजी सचिव, मा0 मंत्री, मा0 ग्राम्य विकास मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
- 👊 एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 11- नियोजन विभाग / वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 12- गार्ड फाईल

संलग्नक- यथोपरि।

(रविनाथ रामन) अपर सचिव

2 91314

बी०एम०—15

प्रशासकीय विभाग- ग्राभ्य विकास

(पैरा--156)

नियमक अधिकारी का नाम- सिचव, ग्रास्य विकास।

अनुदान संख्या-19 में डी०आरडी०ए मद में राज्याँश की स्वीकृति एस०जी०एसवाई की परिलक्षित बचत की केन्द्रोश के सापेक्ष अभ्युक्ति हेतु प्रस्तावित । धनराशि को (स्तम्म-1 मे) (धनराशि हजार रूपये मे) पुनर्विनियोग 61662 61662 धनसाशि के बाद स्तम्म-५ की अवशेष आयोजनागत पुनर्विनियोग 30426 30426 के बाद धनराशि , (O 2501-ग्राम विकास के लिए विशेष कार्यकम किया जाना है तथा स्थानान्तरित धनराशि लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित 0104- जिला ग्राम्य विकास अभिकरण 01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्न द्वारा 13.वेतन मत्ते आदि के लिये सहायक 01- समेकित ग्राम विकास कार्यक्रम योग- 1514 आयोजनागत अनुदान संख्या- 19 योजना (७५४)ति० के०स०) अनुदान संख्या- 19 र्रोनिधानित योजनाए ₹0 1514 800- अन्य व्यय अनुदान 1514 1514 सरप्तस वनराशि अवशेष वित्तीय वर्ष की अवशेष 38147 अनुमानित 38147 अवधि में ന व्यव अध्यावधिक 23515 23515 मदवार वित्तीय वर्ष 2010–11 मानक प्राविधान तथा लेखाशीर्षक का विवरण 0102-स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना 2501-ग्राम विकास के लिए विशेष कार्यक्रम 01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा 01- समेकित ग्राम विकास कार्यक्रम योग- 63176 आयोजनागत अनुयान संख्या- 19 क्0 63176 (७५ प्रति० क्ष्मः)(जिल्यो०) पुरोनिधानित योजनाएं ३५०- अन्य व्यय 50-सिब्सिडी-

प्रमाणित किया जाता है कि युनर्विनियोग से बजट मैनुअल के परिस्केद 150,151,155, 156 में उल्लिखित प्राविधानों का उल्लघंन नहीं होता है।

(रक्षिनाध्य रामन

अपर सचिव

.

SISW Plans उत्तराखण्ड शासन वित्त अनुभाग – 4 संख्याः प्रवेष्/( )XXVII-4/2011 देहरादून दिनॉक १ मार्च, 2011

पुनर्विनियोग स्वीकृत।

(अर्जुन सिंह) अपर सचिव, वित्त

सवा में,

- महालेखाकार, (लेखा परीक्षा)
   कार्यालय महालेखाकार, वैभव
   पैलेस, सी— 1,/105, इन्दिरा नगर,
   देहरादून।
- 2- महालेखाकार, (ए एण्ड ई), ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर, रोड़, माजरा, देहरादून।

संख्याः 611(1)/X12011 56(-29)2010 तद्दिनॉक।
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—
1— आयुक्त, ग्राम्य विकास, पौड़ी।
2— जिलाधिकारी, बागेश्वर / पौड़ी।
4— वरिष्ठ कोषाधिकारी / कोषाधिकारी, बागेश्वर / पौड़ीं
5— निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें उत्तराखण्ड देहरादून।
6— वित्त अनुभाग—4, उत्तराखण्ड शासन।
7— गार्ड फाइल।

आज्ञा स, विकाश रामन) अपर संचिव